(b) if so, the details and outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MNISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) and (b) Discussions were held with a number of MLAs and MPs from Bihar and with certain other leaders of various political parties from that State with a view to ascertaining their perceptions and suggestions on the Jharkhand issue.

Naval base at Karwar in Karnataka

319. SHRI N. E. BALARAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to answer to Unstarred Question 601 given in the Rajya Sabha on the 1st January, 1991 and state:

(a) what is the present position in regard to construction of naval base at Karwar, in Karnataka;

(b) whether Government have chalked out any compensation and rehabilitation package so far those persons who will be evicted due to this project; and

(c) what is the number of families which are expected to be evicted?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI LALIT VIJAY SINGH): (a) The Master Plan and the Detailed Project Reports for the Project have been prepared. 5825 acres of Government land have been taken over for the Project and 2495 acres of private land are presently under acquisition. Scientific and technical studies are also being conducted at the site.

(b) Yes, Sir. A comprehensive Rehabilitation Scheme has been formulated by a High Powered Rehabilitation Committee set up by the Government of Karnataka, for the rehabilitation of the displaced persons in five Rehabilitation Centres provided with all basic amenities. An amount of Rs. 9 crores has been sanctioned by the Central Govt. for the above purpose.

(c) 3781 families.

Acts of violence and killing in Punjab

320. SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV:
DR. RATNAKAR PANDEY:
DR. ABRAR AHMED:
DR. Z. A. AHMED:
SHRI N. E. BALARAM:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there has been a sudden spurt in the terrorists activities in Punjab recently;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the number of violent incidents that took place and the number of persons, killed in Punjab during the months of December, 1990 January and February 1991;

(d) what steps Government have taken to protect the life and property in Punjab; and

(e) whether there is any change in the attitude of terorists who are demanding Khalistan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) February, 1991 information about violent incidents has yet to be compiled as the month is not yet over. On the other hand the number of violent incidents due to terrorist activity in Punjab in the previous months were as follows:

Month	No. of violent Incidents
November, 1990	535
December, 1990	433
January, 1991	459

The downward trend since November, 1990 is marginally reversed in January, 1991.

(d) The law and order situation is constantly under review and a number of steps including induction of more security forces in sensitive areas, intensified patrolling, laying of 'nakas' and conduct of combing operations to apprehend and flush out terrorists have been taken by the State Government.

(e) No appreciable change is visible in the attitude of terrorists.

देश में साम्प्रदायिक दंगे

321. डा० रत्नाकर पाण्डेय :
श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
श्री शांति त्यागी :
कुमारी सरोज खापर्डे :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अक्तूबर, 1990 से बाद की अवधि में देश में भारी पैमाने पर दंगे हुये हैं ;

(ख) यदि हां, तो ये दंगे किन-किन राज्यों और कस्बों/शहरों में हुये तथा इनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इन दंगों में, राज्य-वार कितने-कितने लोग मारे गये और घायल हुये तथा संपत्ति की कितनी हानि हुई ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इन दंगों का प्रारंभ लगभग एक ही प्रकार से हुआ था ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार ने भविष्य में इस प्रकार के दंगों से समाज और देश की रक्षा करने के लिये कोई ठोस कार्य योजना तैयार की है, यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) से (ग) उपलब्ध सूचना के आधार पर 1 अक्तूबर, 1990 से 15 फरवरी, 1991 के बीच देश में हुये बड़े सांप्रदायिक दंगों का विवरण, अनुपत्र में दिया गया है ।

(घ) और (ङ) [देखिये परिशिष्ट 157, अनुपत्र सं० 12] संलग्न विवरण में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

विवरण

देश में साम्प्रदायिक दंगों के संबंध में दिनांक 26 फरवरी, 1991 के लिए पूछा गया अतारांकित प्रश्न संख्या 321 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में विवरण

देश में हाल में सांप्रदायिक स्थिति में राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के कारण कुछ तनाव उत्पन्न हुआ । तथापि, दंगे निश्चित रूप से समाज विरोधी और सांप्रदायिक तथा राष्ट्र विरोधी तत्व का काम है । जब कभी आवश्यकता पड़ती है, अथवा मांग की जाती है तो दंगों से प्रभावकारी ढंग से निपटने और उन्हें काबू करने के लिये राज्य सरकारों को अर्ध-सैनिक बल तथा उपकरण आदि उपलब्ध करा कर उन्हें मदद दी जाती है ।

सांप्रदायवाद की बुराईयों से निपटने के उपायों का पता लगाने की दृष्टि से इस विवादास्पद समस्या का हल ढूंढने के लिये राष्ट्रीय एकता परिषद विचार विमर्श कर रही है । 1990 के दौरान परिषद की दो बैठकें हुई—पहली बैठक अप्रैल में नई दिल्ली में तथा दूसरी बैठक सितम्बर में मद्रास में हुई । इन बैठकों में इस आशय के प्रस्ताव पारित किये गये कि समस्या का हल शांतिपूर्ण ढंग से निकाला जाय, बाबरी मस्जिद राम जन्म भूमि समस्या का सौहार्दपूर्ण हल निकाला जाय और ऐसा कुछ भी नहीं किया जाय कि देश में पहले से व्याप्त सांप्रदायिक स्थिति और खराब हो ।

सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता, दोनों पहलुओं को बढ़ावा देने की दृष्टि